संत ज़ेवियर सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, दिल्ली – 54

कक्षा–10 | प्री–बोर्ड परीक्षा (सेट 2) – 2017–18 | पूर्णांक–80

दिनांक–11.1.2018 | हिन्दी | समय–3 घंटे

निर्देश :– 1. इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खण्ड 'क'

1. निम्न पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे–छोटे पौधे
बड़े सुशील विनम्र
देखकर मुझको यों बोले–
हम भी कितने खुशकिस्मत हैं
जो खतरों का सामना नहीं करते
आसमान से पानी बरसे, आँधी गरजे,
हमको कोई फिक्र नहीं है
एक बड़े की वरद छत्रछाया के नीचे
हम अपने दिन बिता रहे हैं
बड़े सुखी हैं।
मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे–छोटे पौधे
असंतुष्ट और रूष्ट
देखकर मुझको यों बोले –
जो खतरों का सामना नहीं करते
वो कैसे ऊपर को उठ सकते हैं
इसी बड़े की छाया ने ही
हमको बौना बना रखा है
बड़े दुखी हैं।
मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे–छोटे पौधे
तने हुए, उद्यण्ड
देखकर मुझको यों बोले–
हमको छोटा रखकर ही यह बड़ा बना है।
जन्म अगर हम इसके पहले पाते
तो हम इसके अग्रज होते
हम इसके दादा कहलाते–इस पर छाते,
नहीं वक्त का जुल्म हमेशा
हम यों ही सहते जाएँगे।
हम काँटों की आरी औ' कुल्हाड़ी अब तैयार करेंगे।
फिर जब आप यहाँ आएँगें
बरगद की डाली–डाली कटती पाएँगे
ठूँठ मात्र ही यह रह जाएगा नंगा बूचा
और हम इसे निगल जाएँगे समूचा।

क. बरगद किसका प्रतीक है ? (1)

ख. काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

ग. 'बदकिस्मत'तथा 'उद्यण्ड' शब्दों के विलोम शब्द पद्यांश से छाँटकर लिखें। (1)

घ. 'जो खतरों का सामना नहीं करते वे कैसे ऊपर को उठ सकते हैं'– पंक्ति में जीवन का क्या संदेश छुपा है? (2)

ड. तीसरी पीढ़ी और पहली पीढ़ी की सोच में क्या अंतर है, स्पष्ट करें।

(2)

2. निम्न गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

आज पुनर्निर्माण की चर्चा है। व्यक्ति के नहीं, समाज के, अपने नहीं दूसरे के। क्या व्यक्ति का पुनर्निर्माण एकदम उपेक्षा की चीज़ है ?

यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने सुधार की ओर ध्यान दे तो पूरे समाज का निर्माण कितना आसान हो जाएगा।

बौद्ध धर्म के अनुसार –

इस बात की सावधानी रखना कि अपने में कोई अवगुण न आने पाए।

इस बात का प्रयत्न करना कि अपने अवगुण दूर हो जाएँ।

इस बात की सावधानी रखना कि अपने सद्गुण चले न जाएँ।

इस बात का प्रयत्न करना कि अपने में नए सद्गुण चले आएँ।

बाग में यदि फल–फूल न लगवाए जाएँ और ज़मीन को यों ही बेकार पड़े रहने दिया जाए तो उसमें बेकार के झाड़–झंखाड़ उग ही आएँगे। यदि अवगुणों को दूर करने और सद्‌गुणों को लाने का उपाय निरंतर नहीं किया जाएगा तो अवगुण बने ही रहेंगे और सद्‌गुण नहीं आएँगे। इसलिए यदि इस चतुर्मुखी कार्यक्रम को

Contd.....2

घटाकर इसके केवल दो अंगों (अवगुणों को दूर करने और सद्‌गुणों को अपनाने) को स्वीकार कर लिया जाए तो मैं समझता हूँ, भगवान बुद्‌ध का उद्‌देश्य पूरा हो सकता है।

अवगुणों को दूर करना और सद्‌गुणों को अपनाना ये दोनों भी क्या अर्थ की दृष्टि से एक नहीं हैं ? इसका मतलब 'हाँ' और 'नहीं' दोनों ही देना होगा।

अवगुणों को दूर करने और सद्‌गुणों को अपनाने के प्रयत्न में मैं समझता हूँ कि अवगुणों को दूर करने की अपेक्षा सद्‌गुणों को अपनाने का ही महत्व अधिक है। कमरे में गंदी हवा और स्वच्छ वायु एक साथ नहीं रह सकती है। कमरे में हवा रहे ही नहीं यह तो हो ही नहीं सकता। गंदी हवा को निकालने का सबसे अच्छा उपाय है कि दरवाज़े और खिड़कियाँ खोलकर स्वच्छ वायु को अंदर आने देना।

अवगुणों को भगाने का सबसे अच्छा उपाय है, सद्‌गुणों को अपनाना।

क. मनुष्य को किन बातों की सावधानी रखनी चाहिए और क्या प्रयत्न करना चाहिए ? (2)

ख. भगवान बुद्‌ध का उद्‌देश्य कैसे पूरा हो सकता है? लेखक ने किस उदाहरण द्वारा अपनी बात स्पष्ट की है ? (2)

ग. आपके विचार से अवगुणों को दूर करना और सद्‌गुणों को अपनाना क्यों आवश्यक हैं? समझाएँ। (2)

घ. 'झाड़–झंखाड़' पद का विग्रह कर समास भेद बताएँ। (1)

ड. 'पुनर्निर्माण' शब्द से उपसर्ग व मूल शब्द अलग कीजिए। (1)

खण्ड 'ख'

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (1x4=4)

क. अनुभाव और संचारी भाव में क्या अंतर है?

ख 'वीर रस' तथा करूण रस के स्थायी भाव लिखिए।

ग. 'सरकंडे से हाथ–पाँव और मटके जैसा पेट
पिचके–पिचके गाल दोउ, मुँह तो इंडिया गेट' – पंक्ति में मौजूद रस व उसका स्थायी भाव भी लिखिए।

घ. 'रौद्र रस' का एक उदाहरण लिखिए।

4. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए – (1x4=4)

क. पानवाला नया पान खा रहा था। (कर्मवाच्य में)

ख. मुझसे सहा नहीं जाता। (कर्तृ वाच्य में)

ग. कक्षा में सारी लड़कियाँ चिल्ला रही थीं। (वाच्य भेद बतलाइए)

घ. उनके सामने कौन बोल सकेगा ? (भाव वाच्य में)

5. निम्नलिखित रेखांकित पदों का पद–परिचय दीजिए – (1x4=4)

क. हम अपने देश पर <u>मर मिटेंगे।</u>

ख. <u>धीरे–धीरे</u> कुछ लोग हमारी तरफ आ गए।

ग. बलराम और श्रीकृष्ण मथुरा गए थे <u>क्योंकि</u> राजा कंस ने उन्हें बुलाया था।

घ. मेरे भीतर <u>गहरा</u> संदेह था।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (1x3=3)

क. तुम मोबाइल खरीदो।
तुम्हें 20% डिस्काउंट मिलेगा। (संयुक्त वाक्य बनाइए)

ख. रमेश कह रहा था कि वह अब कभी नहीं आएगा। (आश्रित उपवाक्य पहचानकर लिखिए तथा भेद भी बताइए)

ग. जब वह दुकान पर आया तो फिर खाली हाथ आया था। (सरल वाक्य में बदलें)

Contd…..3.

खण्ड 'ग'

7. निम्न पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

क. पद्यांश के आधार पर दो काव्यगत विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखें। (2)

ख 'माँ ने कहा लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।' – पंक्ति में किस परंपरा व आधुनिकता का दर्शन हुआ है? (2)

ग. माँ ने बेटी को क्या–क्या सीखें दी? (1)

8. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2x4=8)

क. 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' – पंक्ति का प्रतीकार्थ स्पष्ट करते हुए, पंक्ति में छिपा संदेश बताइए।

ख. कवि देव ने वसंत का मानवीकरण किस प्रकार किया है, स्पष्ट करें।

ग. परशुराम के चरित्र के कौन–कौन से रूप आपके सामने आए हैं, किन्हीं 2 पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए ? आप परशुराम की किस विशेषता को अपनाना चाहेंगे व क्यों ?

घ. आपके जीवन में संगतकार कौन–कौन हैं ? आपके जीवन निर्माण में उनकी क्या उपयोगिता है, स्पष्ट करें।

9. निम्न पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही।सुई धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है,जिसका तन ढँका है लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है? पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है निठल्ला नहीं बैठ सकता। हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से भी मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है,किंतु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।

क. मनीषी कौन है? उनकी देन क्या है? (2)

ख. 'आग व सुई धागा' एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है? इस खोज के पीछे प्रेरणा के मुख्य स्त्रोत क्या रहे होंगे ? (1)

ग. कौन व्यक्ति निठल्ला नहीं बैठ सकता और क्यों? उदाहरण देकर स्पष्ट करें। (2)

10. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (2x4=8)

क. गर्मियों में भगत के घर का आँगन संगीत और नृत्य से ओतप्रोत हो जाता था, कैसे? स्पष्ट करें।

Contd.....4.

ख. खाँ साहब के जीवन में अभ्यास का क्या महत्व था? आप अभ्यास को जीवन में कितना महत्व देते हैं?

ग. मन्नू भंडारी ने कौन–कौन से उपन्यास पढ़े थे ? किन्हीं 2 के नाम लिखकर बताइए कि अच्छी पुस्तकें पढ़ने की प्रेरणा उन्हें कहाँ से, किस प्रकार मिली ?

घ. 'स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्को का खंडन' पाठ से प्राकृत में लिखे किन्हीं 2 ग्रंथों का वर्णन करते हुए बताएँ कि द्विवेदी जी ने समाज की दृष्टि में किन लोगों को दंडनीय कहा और क्यों ?

11. 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताएँ कि पहाड़ी बच्चों का जीवन व गतिविधियाँ, शहरी बच्चों के जीवन व गतिविधियों से किस प्रकार भिन्न हैं? एक युवा के नाते आपको पहाड़ी लोगों का जीवन क्या–क्या प्रेरणा देता है ? हमारे शहरी लोगों की मानसिकता में क्या बदलाव आवश्यक है ? (4)

खण्ड 'घ'

12. निम्न में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखें। (10)

क. बदलता खानपान और हम
- – खानपान का महत्व
- – भिन्न भिन्न प्रदेशों का खानपान
- – मानव जीवन पर प्रभाव
- – फास्टफूड और चाइनीज़ फूड से नुकसान

ख. राष्ट्र और हम
- – भूमिका
- – राष्ट्र का हमारे जीवन निर्माण में योगदान
- – राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्य
- – उपसंहार–कर्तव्य को कैसे निभाएँ

ग. धुँध मिश्रित प्रदूषण (स्मॉग)
- – कारण
- – प्रभावित क्षेत्र व प्राणी
- – परिणाम
- – संभव उपाय

13. किसी विषय के अपने अध्यापक/अध्यापिका को पत्र लिखकर धन्यवाद व्यक्त करें कि इस विशेष विषय की आपकी तैयारी उन्हीं की मदद से किस प्रकार संभव हो सकी व आपने अपने जीवन के लिए उनसे क्या–क्या सीखा। (5)

अथवा

'नवभारत टाइम्स' अखबार के संपादक को पत्र लिखकर अपनी चिंता व्यक्त कीजिए। चिंता का विषय है – फोन पर बात करते वाहन चालकों पर यातायात पुलिस का ढीला रवैया व बढ़ती दुर्घटनाएँ।

14. 'स्वादिष्ट मिष्ठान्न भंडार' के लिए 25 से 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। (5)

अथवा

'सड़क सुरक्षा सप्ताह' दिल्ली पुलिस द्वारा आयोजित होने वाला है, इस विषय पर 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

*****